भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या: 913
गुरुवार, 4 दिसंबर, 2025/13 अग्रहायण, 1947 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

चित्रकूट विमानपत्तन से उड़ानें

913. श्रीमती कृष्णा देवी शिवशंकर पटेलः

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या चित्रकूट विमानपत्तन से विमान सेवाएं बंद कर दी गई हैं और वर्तमान में कोई नियमित विमान सेवा उपलब्ध नहीं है और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं,

(ख) क्या सरकार ने इस संबंध में कोई जांच या समीक्षा की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार चित्रकूट विमानपत्तन पर वाणिज्यिक उड़ान सेवाओं को फिर से शुरू करने के लिए किसी एयरलाइन ऑपरेटर के साथ विचार-विमर्श कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार का चित्रकूट विमानपत्तन को उड़े देश का आम नागरिक (उड़ान) योजना के अंतर्गत पुनः शामिल करने अथवा सेवाओं को पुनः शुरू करने के लिए विशेष प्रोत्साहन प्रदान करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) उड़ान संचालन पुनः शुरू करने के लिए विमानपत्तन पर रनवे, टर्मिनल भवन, रात्रि लैंडिंग अथवा सुरक्षा सुविधाओं का उन्नयन करने की क्या योजना है और ऐसे कार्यों के पूरा होने की संभावित समय-सीमा क्या है?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) से (घ): चित्रकूट हवाईअड्डे की पहचान और विकास उड़ान योजना के तहत किया गया और दिनांक 12 मार्च 2024 को फ्लाइबिग एयरलाइन द्वारा चित्रकूट और लखनऊ के बीच आरसीएस उड़ान परिचालन आरंभ किया गया। हालांकि, खराब दृश्यता की स्थिति, रनवे री-कार्पेटिंग के कार्य हेतु लखनऊ हवाईअड्डे के दिन के समय बंद होने विमान उपलब्धता आदि, जैसी विभिन्न प्रचालन चुनौतियों के कारण दिसंबर 2024 से यह सेवा बंद कर दी गई थी।

फ्लाइबिग ने चित्रकूट को जोड़ने वाले आरसीएस मार्गों के सतत प्रचालन के लिए अपने आरसीएस अधिकारों और दायित्वों का नवस्थापन (नोवेट) स्काईहॉप एविएशन प्राइवेट लिमिटेड को कर दिया है। स्काईहॉप वर्तमान में विनियामक और परिचालन अपेक्षाओं को पूरा कर रहा है, जिसमें एक एयर ऑपरेटर प्रमाणपत्र प्राप्त करना और विमान प्राप्त करना

शामिल है। इन पूर्वापेक्षाओं को पूरा करने के बाद आरसीएस उड़ानें शुरू होने की उम्मीद है।

(ड.): उड़ान योजना के तहत, हवाईअड्डों को न्यूनतम आवश्यक अवसंरचना के साथ विकसित किया गया है, और चित्रकूट हवाईअड्डे को पहले ही 2बी श्रेणी के हवाईअड्डे के रूप में विकसित किया जा चुका है। यह हवाईअड्डा उत्तर प्रदेश राज्य सरकार का है। इसलिए, आगे का विकास राज्य सरकार के अधिकार क्षेत्र में आता है। हवाईअड्डों का आधुनिकीकरण और क्षमता वृद्धि एक सतत प्रक्रिया है, जिसे हवाईअड्डों के प्रचालकों द्वारा, भूमि की उपलब्धता, व्यवहार्यता और यातायात की मांग के आधार पर किया जाता हैं।

******